

विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा - अष्टम

दिनांक -01- 02 - 2022

विषय -हिन्दी

विषय शिक्षक - पंकज कुमार

सुप्रभात् बच्चों आज वीर शिवाजी के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

छत्रपति शिवाजी ने अपनी सेना को एक संयोजित ढंग से रण में माहिर बनाया. अपनी बहादुरी, साहस एवं चतुरता से उन्होंने औरंगजेब जैसे शक्तिशाली मुगल सम्राट की विशाल सेना से कई बार जोरदार टक्कर ली और अपनी शक्ति को बढ़ाया. छत्रपति शिवाजी कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ एक समाज सुधारक भी थे. वे कई लोगों का धर्म परिवर्तन कराकर उन्हें पुन हिन्दू धर्म में लाए. छत्रपति शिवाजी बहुत ही चरित्रवान व्यक्ति थे. वे महिलाओं का बहुत आदर करते थे. महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वालों और निर्दोष व्यक्तियों की हत्या करने वालों को कड़ा दंड देते थे.

छत्रपति शिवाजी की अभूतपूर्व सफलता का रहस्य मात्र उनकी वीरता एवं शौर्य में निहित नहीं है, अपितु उनकी आध्यात्मिकता का भी उनकी उपलब्धियों में बहुत बड़ा योगदान है. उल्लेखनीय है कि मराठा सरदार से छत्रपति बनने के मार्ग में बहुत सारी बाधाएं आईं किंतु उन सबका उन्मूलन करते हुए वह अपने लक्ष्य पर पहुंच कर ही रहे.

मुगल बादशाह औरंगजेब अपनी विराट शाही सेना के बावजूद उनका बाल बांका भी नहीं कर सका और उसके एक बड़े भूभाग पर उन्होंने अधिकार प्राप्त कर लिया. छल से उन्हें और उनके किशोर लडके को आगरे में कैद करने में औरंगजेब ने सफलता प्राप्त की, तो शिवाजी अपनी बुद्धिमता और अपनी इष्ट देवी तुलजा भवानी की कृपा के बल पर बंधन मुक्त होने में सफल हो गए. असहाय जनता के लिए शिवाजी पहले-पहल एक समर्थ रक्षक बनकर उभरे. छत्रपति निस्संदेह भारत-माता के प्रथम सुपुत्र सिद्ध हुए, जिन्होंने देशवासियों के अंदर नवीन उत्साह का संचार किया.

शिवाजी यथार्थ में एक आदर्शवादी थे. उन्होंने मुगलों, बीजापुर के सुल्तान, गोवा के पुर्तगालियों और जंजीरा स्थित अबीसीनिया के समुद्री डाकुओं के प्रबल प्रतिरोध के बावजूद दक्षिण में एक स्वतंत्र हिन्दू राज्य की स्थापना की. उन्हीं के प्रयासों से भविष्य में विशाल मराठा साम्राज्य की स्थापना हुई. उनके गुरु दक्षिण भारत में एक महान संत गुरु रामदास थे. शिवाजी का गुरु प्रेम भी जगप्रसिद्ध था.

शिवाजी की 1680 में कुछ समय बीमार रहने के बाद अपनी राजधानी पहाड़ी दुर्ग राजगढ़ में 3 अप्रैल को मृत्यु हो गई. आज भी देश में छत्रपति शिवाजी का नाम एक महान सेनानी और लड़ाके के रूप में लिया जाता है जिनकी रणनीति का अध्ययन आज भी लोग करते हैं.

